RNI No.-UPHIN2016/70155

के.डी.न्यूज

साप्ताहिक
हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष–04 | अंक–34 | सुलतानपुर, 14 जनवरी 2020 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 3.00 रुपये

सीएए ने दुनिया को पाक में धार्मिक प्रताड़ना की हकीकत दिखायी, कोलकाता में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नये नागरिकता कानून (सीएए) का रविवार को मजबूती से बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस पर पैदा हुए विवाद ने दुनिया को पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के दमन की हकीकत दिखा दी है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर निराशा जाहिर की कि संशोधित नागरिता कानून पर युवाओं के एक वर्ग को गुमराह किया जा रहा है, जिसका मकसद नागरिकता लेना नहीं, बल्कि नागरिकता देना है। प्रधानमंत्री ने हावड़ा जिले के बेलूर मठ में जनसभा से कहा, 'सीएए किसी की नागरिकता छीनने के बारे में नहीं है, यह नागरिकता देने के लिए है। आज, राष्ट्रीय युवा दिवस पर, मैं भारत, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के युवाओं को यह बताना चाहता हूं कि यह नागरिकता देने के लिए रातों–रात बना कानून नहीं है।' पीएम ने कहा, 'हम सभी को यह पता होना चाहिए कि दुनिया के किसी भी देश का, किसी भी धर्म का व्यक्ति, जो भारत और उसके संविधान में यकीन रखता है, वह उचित प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है। इसमें कोई

समस्या नहीं है।' मोदी ने कहा कि यहां तक कि महात्मा गांधी ने भी धार्मिक प्रताड़ना के कारण यहां आने वाले लोगों को भारतीय नागरिकता देने का पक्ष लिया था और इस सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों की इच्छाओं की पूर्ति मात्र की है। पूर्वोत्तर में सीएए के विरोध में जारी प्रदर्शनों का संदर्भ देते हुए मोदी ने क्षेत्र के लोगों की विशिष्ट पहचान एवं संस्कृति की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जतायी और कहा कि नया कानून उनके हित को नुकसान नहीं पहुंचायेगा। उन्होंने कहा, 'हमने सिर्फ वही किया, जो महात्मा गांधी ने दशकों पहले कहा था। क्या हमें इन शरणार्थियों को मरने के लिए वापस भेज देना चाहिए? क्या वे हमारी जिम्मेदारी नहीं हैं? उन्हें हमें अपना नागरिक बनाना चाहिए या नहीं?' मोदी ने कहा कि सीएए पर 'पूर्ण स्पष्टता' के बावजूद राजनीतिक हित साधने के लिए कुछ लोग नये नागरिकता कानून के बारे में जान–बूझ कर अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, 'नागरिकता कानून में संशोधन करने की हमारी पहल ने विवाद उत्पन्न कर दिया है। यह हमारी पहल का परिणाम है कि पाकिस्तान को अब जवाब देना होगा कि पिछले 70 वर्षों से वह अल्पसंख्यकों को क्यों प्रताड़ित कर रहा था। पाकिस्तान में मानवाधिकार समाप्त हो चुके हैं।'पूर्वोत्तर के लोगों की चिंताओं को शांत करने के प्रयास में मोदी ने इस क्षेत्र को 'हमारा गौरव' बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी संस्कृति, परंपराएं और जनसांख्यिकी इस संशोधित कानून से किसी भी तरह प्रभावित नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद पाकिस्तान में जिन लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, उनके लिए नागरिकता कानून में 'थोड़े से बदलाव' किये गये हैं। मोदी ने कहा, 'वहां रहते हुए उन्हें कटु अनुभव हो रहे थे। महिलाएं अपना सम्मान खोने का खतरा महसूस कर रहीं थीं।' उन्होंने कहा, 'युवा सारी बात समझ गये हैं, लेकिन जो राजनीति करना चाहते हैं, उन्हें कुछ समझ नहीं आयेगा।' मोदी ने कहा कि पांच साल पहले देश के युवाओं के बीच निराशा थी, लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के निवास स्थान बेलूर मठ में कहा, 'न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया देश के युवाओं से बहुत–सी उम्मीदें रखती है। युवा चुनौतियों से डरते नहीं हैं। वे चुनौतियों को चुनौती देते हैं।' मोदी, विवेकानंद के अनुयायी हैं। उन्होंने रात मठ में बितायी। रविवार को प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्वामी विवेकानंद की जयंती को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

कुंभ मेले जैसी होगी गोरखनाथ मंदिर परिसर की सफाई, 150 कर्मी जुटे

गोरखपुर। खिचड़ी मेले में गोरखनाथ मंदिर परिसर की सफाई कुंभ मेले की तरह की जाएगी। नगर निगम ने मंदिर परिसर के हरेक हिस्से में सफाई की योजना तैयार कर इस काम में करीब 150 सफाई कर्मचारियों को जिम्मेदारी तय कर दी गई है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी 13 जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक मंदिर परिसर में कैंप करेंगे। 15 जनवरी को गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाई जाएगी। इसमें लाखों लोग आते हैं, साथ ही मंदिर में खिचड़ी चढ़ाते हैं। ऐसे में नगर निगम प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ ही परिसर की सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों के अलावा सुपरवाइजर की भी ड्यूटी लगाई गई है। नगर आयुक्त अंजनी कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। कुंभ मेले की ही तरह यहां भी सफाई व्यवस्था का इंतजाम किया है। सहायक नगर आयुक्त संजय शुक्ला ने बताया कि सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी ऐसी तय की गई है कि कोई भी स्थान सफाई से वंचित न रह जाए। फेंके गए अपशिष्टों को तुरंत हटा दिया जाएगा। सफाई कर्मचारियों के द्वारा इकट्ठा किए गए अपशिष्टों को तुरंत ही गाड़ियों से उठा कर ले जाया जाएगा। सभी सफाई कर्मचारियों को दर्शनार्थियों के साथ सौम्य व्यवहार रखने का निर्देश भी दिया गया है। वहीं मेला परिसर में बैनर–पोस्टर के माध्यम से स्वच्छता बनाए रखने के साथ पॉलिथीन का इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान भी किया जाएगा।

आवश्यकता है

के.डी.न्यूज समाचार पत्र/पोर्टल हेतु ब्लाक संवाददाता, व तहसील संवाददाता की आवश्यकता है।

–सम्पादक
के.डी.न्यूज
मो. 9415739288, 9721748962

पॉक्सो मामलों के लिए विशेष लोक अभियोजकों की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि यौन उत्पीड़न मामलों में बाल पीड़ितों और गवाहों को सही तरह से सुनने, उनसे बातचीत के लिए लोक अभियोजक निश्चित तौर पर प्रशिक्षित

होने चाहिए। न्यायालय ने ऐसे लोक अभियोजकों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत दर्ज मामलों के लिए अलग से विशेष अभियोजकों की जरूरत है। न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि यौन उत्पीड़न के पीड़ित बच्चों से सच कैसे सामने लायें। पॉक्सो मामलों के लिए लोक अभियोजकों को सौंपा गया कार्य बहुत कष्टदायक होता है, जिस पर अत्यंत सावधानी और संवेदनशीलता से काम होना चाहिए। पीठ ने कहा कि इसलिए ना केवल अलग से विशेष लोक अभियोजकों की जरूरत है, बल्कि प्रशिक्षण कार्यक्रम भी विकसित करने की आवश्यकता है, जहां इन विशेष लोक अभियोजकों को इन अदालतों में आने वाले मुद्दों से निपटने के वास्ते प्रशिक्षित होना चाहिए। मनौवैज्ञानिक, स्वास्थ्य और अन्य मुद्दे हो सकते हैं। शीर्ष न्यायालय ने सभी राज्यों को पॉक्सो मामलों के लिए खास तौर पर गठित सभी अदालतों में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि हम सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हैं कि राज्य की न्यायिक अकादमी में विशेष कार्यक्रम विकसित किए जायें ताकि पॉक्सो अदालतों से जुड़े इन विशेष लोक अभियोजक को ना केवल कानून का प्रशिक्षण मिले बल्कि बाल मनोविज्ञान, बाल व्यवहार, स्वास्थ्य मुद्दों की भी उन्हें जानकारी हो। शीर्ष अदालत ने असम और जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को हलफनामा दाखिल कर बताने का निर्देश दिया है कि पॉक्सो अदालतों में खास तौर पर पॉक्सो मामलों की ही सुनवाई होनी चाहिए, दूसरे मामलों की नहीं। ये हलफनामे 28 फरवरी को दाखिल किये जायेंगे। पीठ बाल दुष्कर्म से जुड़ी घटनाओं की लगातार बढ़ती संख्या के मद्देनजर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

किसानो बीच जाकर गोमती मित्रों ने पौधरोपण कर किया शास्त्री जी को नमन

सुल्तानपुर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री,कद से कई गुना बड़े नैतिक आदर्शों को स्थापित करने वाले, जय जवान–जय किसान का नारा बुलंद करने वाले लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर आज गोमती मित्र मंडल ने नगर क्षेत्र से ३० किलोमीटर दूर पारस पट्टी ग्राम सभा में किसानों के बीच जाकर उन्हें नमन किया। उनके बनाए हुए और बताए हुए आदर्शों की चर्चा भी की। साथ ही पौधारोपण करके उनकी स्मृतियों को आजीवन जीवंत रखने का प्रयास किया। ग्रामीण किसानों को भी एक सुखद अनुभूति महसूस हो रही थी। देश के जिस प्रधानमंत्री ने किसानों को अपने नारे में स्थान दिया। आज उनकी पुण्यतिथि पर नगर से आकर किसी संगठन ने उनके बीच में उन्हें नमन किया। प्रख्यात गायक दीनबंधु सिंह ने गीतों के माध्यम से शास्त्री जी को याद किया। उपस्थित लोगों में रूद्र प्रताप सिंह मदन, संत कुमार, रमेश माहेश्वरी, अजय प्रताप सिंह, राजेन्द्र शर्मा, राजेश पाठक, रामेंद्र प्रताप सिंह राणा, विपिन, सौरभ, दीपक, दाऊजी, अजय, विनय, सागर, सत्यम, सोनू, दुर्गेश, विशाल, वासु, आदित्य, संतोष आदि रहे।

सम्पादकीय

रथयात्रा से गांधीयात्रा तक

एक समय में भाजपा के दिग्गज नेता और लौहपुरुष करार दिए गए लालकृष्ण आडवानी ने 1992 में सोमनाथ से अयोध्या तक जो रथयात्रा निकाली, उससे भारत की दशा और दिशा दोनों बदल गई। बेशक आडवानीजी ने भी इसके भावी परिणामों के बारे में यही सोचा होगा कि इससे भाजपा को राजनैतिक लाभ मिलेगा और हिंदुत्व का उसका एजेंडा प्रबल होगा। लेकिन आज जो स्थिति है, इस बारे में तो उन्होंने भी शायद ही कल्पना की होगी। आडवानीजी की उस रथयात्रा का फल भाजपा को जल्द ही मिल गया, लोकसभा की दो सीटों से पार्टी एनडीए का नेतृत्व करते हुए सत्ता पर काबिज हुई और 2014 से तो पूर्ण बहुमत का अभिमान उसे करने मिल गया। सत्ता के साथ भाजपा को इस रथयात्रा से दो और लाभ हुए, एक, उसे नरेन्द्र मोदी जैसा नेता मिला, दूसरा, उसके हिंदुत्व की धार इतनी पैनी हो गई कि देश में कई फांकें बन गईं। भाजपा अपनी इन दोनों उपलब्धियों पर गौरवान्वित होगी, लेकिन भारत आंसू बहा रहा है। भाजपा की इस पीढ़ी के नेता पहले से अधिक कट्टर, संकुचित सोच वाले साबित हो रहे हैं। लेकिन पिछली पीढ़ी के कुछ नेताओं को भाजपा का यह नया अवतार शायद बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इन्हीं में से एक हैं यशवंत सिन्हा, जो लगातार मोदी सरकार के फैसलों की मुखालफत करते आए हैं और अब उन्होंने नए नागरिकता कानून, एनआरसी, एनपीआर और छात्रों के साथ हुई हिंसा के लिए मुंबई से गांधी यात्रा की शुरुआत की है। इस यात्रा को एनसीपी मुखिया शरद पवार ने हरी झंडी दिखाई। यात्रा के बारे में यशवंत सिन्हा ने कहा कि वह लोगों से मिलेंगे और लोगों को सीएए और एनआरसी को लेकर अपना संदेश देंगे। वह लोगों को बताएंगे कि सीएए और एनआरसी से उनका क्या नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि हम अंबेडकरजी द्वारा बनाए गए संविधान की रक्षा करेंगे और गांधीजी की दोबारा हत्या नहीं होने देंगे। 3 हजार किमी की यह यात्रा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा से होते हुए 30 जनवरी को गांधी पुण्यतिथि पर दिल्ली के राजघाट पर समाप्त होगी। इस दौरान तीन हजार किलोमीटर का सफर तय किया जाएगा। आडवानीजी की रथयात्रा के मुकाबले इस यात्रा का दायरा और समय दोनों कम हैं, लेकिन उद्देश्य बहुत बड़े हैं। रथयात्रा ने देश को तोड़ने की शुरुआत की, जबकि इस गांधीयात्रा की सफलता इसी में है कि इसके बाद देश की दरारें कुछ भरी जा सकें। लेकिन इसके लिए समूचे विपक्ष को अपने स्वार्थ छोड़कर एक बैनर के साथ खड़ा होना होगा। 2019 के आम चुनाव से पहले विपक्षी एकता की कुछ नाकाम कोशिशें हुईं थीं। कुछेक मंचों पर एक–दूसरे का हाथ पकड़ने वाले नेताओं ने चुनाव के वक्त एक–दूसरे का साथ नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि भाजपा पहले से अधिक सीटों के साथ लौटी और इसके साथ ही उसके कर्णधारों की अकड़, सनक, मनमानी भी बढ़ गई। कह सकते हैं कि आज देश जिस हाल में पहुंचा है, उसकी नींव रथयात्रा ने रखी और आगे इमारत खड़ी करने में आज के विपक्षी नेताओं की अदूरदर्शिता ने योगदान दिया। पर अब भी देर नहीं हुई है, देश अभी पूरी तरह से न बंटा है, न टूटा है। और इस नाजुक वक्त में अगर विपक्षी दल क्षुद्र स्वार्थों को छोड़कर वृहत उद्देश्य के लिए एक साथ आते हैं, तो वे भी बचेंगे और देश भी। खबर है आगामी सोमवार को संयुक्त विपक्ष की एक बैठक होने वाली है। इसमें कांग्रेस, एनसीपी, टीएमसी, डीएमके, शिवसेना समेत 16 दलों के साथ आने की संभावनाएं हैं। विपक्षी नेता संसद के आगामी बजट सत्र के लिए रणनीति बनाएंगे साथ ही देशव्यापी छात्र आंदोलन के प्रति भी अपना रुख स्पष्ट करेंगे। दरअसल आज जिस तरह का छात्र आंदोलन चल रहा है, वह कई मायनों में खास है। देश भर में अलग–अलग जगहों पर छात्र सीएए, एनआरसी और हिंसा के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। कहीं प्रतिरोध में गीत गाए जा रहे हैं, कहीं राष्ट्रगान हो रहा है, कहीं बैनर–पोस्टर दिखाए जा रहे हैं, कहीं संविधान की शपथ ली जा रही है। इन आंदोलनों में किसी राजनैतिक दल के लिए झुकाव नहीं है, न ही कोई एक नेता इसे दिशा दे रहा है। छात्र स्वतःस्फूर्त विरोध के लिए उतर रहे हैं। इसलिए अभी विपक्षी दलों को यह तय करना है कि वे किस तरह छात्रों को अपने साथ लें। अगर विपक्षी एकता के कारण छात्र उनके साथ आते हैं, तो यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। मोदी सरकार विपक्षी नेताओं को तो किसी न किसी तरह डराने, दबाने में कामयाब हो रही है, लेकिन छात्रशक्ति का मुकाबला वह नहीं कर पा रही है। अभी मंगलवार को दीपिका पादुकोण जेएनयू पहुंचीं और वहां 10 मिनट चुपचाप खड़ी रहीं, बस इतने से ही भाजपा के नेताओं और समर्थकों ने उनके खिलाफ बोलना, उनकी फिल्म के बहिष्कार का ऐलान करना शुरु कर दिया। इससे समझ आता है कि सरकार भीतर से कितना डरी हुई है। छात्रों की शक्ति और जोश के साथ वरिष्ठ नेताओं का अनुभव देश को संभाल सकता है। यशवंत सिन्हा ने गांधीयात्रा की जो शुरुआत की है, उसे आगे बढ़ाने में अब संविधान में आस्था रखने वाले हर दल को सहयोग देना चाहिए। रथयात्रा के परिणाम देश भुगत रहा है, अब यह समझ लेना चाहिए कि इस देश को गांधी के विचार ही बचा सकते हैं।

कैंपस में छात राजनीति क्यों न करें?

अंकित ''राधे''

बात वेंकैया नायडू से ही शुरू करते हैं। बंगलुरू मेंराष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यार्पण परिषद के रजत जयंती समारोह में मंगलवार को वे बोले, 'कैंपस को राजनीति से दूर रखना चाहिए। यह घृणा पैदा करने वालों का अभयारण्य बनने लगा है।' देश के उपराष्ट्रपति हैं, तो उनकी बातों का वजन है। उनकी बातों मतलब यही था कि छात्र घृणा की राजनीति से दूर रहें, कैंपस में बस पढ़ाई करें। सत्य वचन! बस एक मुख्तसर सा सवाल है, ये जो श्टुकड़े–टुकड़े गैंग श जुमला है, कहां से निकला और क्यों? जेएनयू से निकला घृणा फैलाने वाला यह जुमला, चुनावी सभा से लेकर टीवी डिबेट तक सरकार से असहमत लोगों की बौद्धिक लिंचिंग के लिए कितना कारगर हथियार है? अब कोई यह बधारे कि एबीवीपी का जो स्लोगन है ज्ञान, शील और एकता उसी पर उसके कैडर केंद्रित रहते हैं, तो ऐसे महानुभावों को दिल्ली में विध ानसभा चुनाव प्रचार दिखा दीजिए। ज्ञान चक्षु खुल जाएंगे। जब वेंकैया नायडू कैंपस में थे, उनका अतीत क्या रहा है, संक्षेप में जान लें। कालेज के दिनों में वेंकैया नायडू अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य थे। आंध्र यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के प्रेसिडेंट निर्वाचित हुए। 1972 में जय आंध्रा मूवमेंट के चर्चित चेहरों में से एक थे वेंकैया नायडू। 1974 के जेपी आंदोलन से जुड़ गये और आंध्र में जेपी मूवमेंट के कन्वेंनर बन गये वेंकैया नायडू। उसके बाद की राजनीतिक यात्रा पर नहीं आऊंगा। बस इतना बताना था कि वेंकैया नायडू छात्र राजनीति की कोख से जन्मे नेता हैं। सर्वे करा लीजिए। पता चल जाएगा, संसद में जो उच्च शिक्षित सभासद हैं, उनमें से शत–प्रतिशत लोग छात्र राजनीति में रहे हैं। मगर, पर उपदेश कुशल बहुतेरे की पुरानी आदत जल्दी जाती नहीं।

वेंकैया जी, यदि छात्रों और कैंपस को राजनीति से मुक्त रखना आप आवश्यक समझते हैं, तो शुरूआत अपने घर से ही कीजिए। भंग कर दीजिए एबीवीपी को। 1948 में बलराज मधोक ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी)की बुनियाद रखी थी। शुरू में ही तय हो गया था कि यह छात्र संगठन शिक्षा केंद्रों में कम्युनिस्टों का असर समाप्त करेगा। 9 जुलाई 1949 को एबीवीपी रजिस्टर्ड किया गया। कैंपस में इसे कैसे विस्तार देना है, इसकी जिम्मेदारी 1958 में मुंबई विश्वविद्यालय में प्रोफेसर यशवंत राव केलकर ने संभाली थी। 1974 में जेपी आंदोलन के समय बिहार, गुजरात और दिल्ली में एबीवीपी की जड़ें विस्तार लेने लगीं। उन दिनों इसकी सदस्य संख्या 1 लाख 60 हजार थी। 2015 में इसकी संख्या 32 लाख बताई गई। उस समय सीपीएम की छात्र इकाई 'एसएफआई' के सदस्यों की संख्या 43 लाख बताई गई थी। 9 अप्रैल 1971 को स्थापित, कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई की सदस्य संख्या 40 लाख है। चार साल में एबीवीपी का लक्ष्य 10 लाख नये सदस्यों को जोड़ना था।

एसएफआई की स्थापना 1970 में हुई और एनएसयूआई की 1971 में फिर भी 1949 में स्थापित एबीवीपी अपनी सदस्य संख्या इनके मुकाबले नहीं बढ़ा पाई। 1948 से 2015, कुल जमा 67 साल लगे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सदस्य संख्या 32 लाख तक पहुंचाने में। क्या उसकी वजह युवाओं में उस विचारधारा को अस्वीकृत करना भी रहा है? क्या भारत में राजनीति से मुक्त कोई ऐसा कैंपस है? यह हमारे उपराष्ट्रपति की कल्पनाओं में ही संभव है। उन्हें ऐसा कहने की जरूरत दो कारणों से आन पड़ी है। पहला सीएए की वजह से असम, अलीगढ़ से लेकर, जामिया दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई और बंगलुरू के शिक्षा केंद्रों का गर्माना और दूसरा हॉस्टल में मनमानी फीस को लेकर पहले से तपा हुआ जेएनयू। मतलब, आप देशभर में ऐसे कैंपस की कल्पना कर रहे हैं, जहां विद्यार्थी और अध्यापक केवल सत्ता के गुण गाएं। प्रतिरोध की बात बिल्कुल न करें। ऐसा होता तो 5 सितंबर, 1967 को राजस्थान विश्वविद्यालय से अंग्रेजी भगाओ आंदोलन का आगाज नहीं होता। उन दिनों जनसंघ और आरएसएस ने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, बिहार के विश्वविद्यालयों में बाकायदा हिंदी सेना का गठन किया था। दिल्ली के मेयर हंसराज गुप्ता जो खांटी संघी कहे जाते थे, इस आंदोलन में कूद पड़े थे। इस अंग्रेजी विरोधी आंदोलन में मधु लिमये और समाजवादी युवक सभा का आना भी दिलचस्प था। बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां भी हुईं थीं। तो कैसे हम कहें कि कैंपस की चहारदीवारी से बाहर राजनीति को रखें? यह स्थिति न पहले थी, न आगे रहेगी। पता नहीं क्या सोचकर एक कराटे मास्टर को आपने जेएनयू का वीसी बना दिया? एम.जगदीश कुमार आईआईटी दिल्ली में कराटे की क्लास चलाते थे, यह भी इनकी प्रोफ इल को सुशोभित करता है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के शिक्षक और नानो डिवाइस पर काम करने वाले वाइस चांसलर एम.जगदीश कुमार उस अकादमिक पीढ़ी से बिल्कुल अलग हैं, जिसकी बुनियाद प्रख्यात कूटनीतिक व जेएनयू के पहले कुलपति जी. पार्थसारथी के कार्यकाल में रखी गई थी। मेरे समय में इक्कीस महीने एक हफ्ते के लिए के.आर. नारायणन कुलपति हुए। देश के राष्ट्रपति पद को जब डॉ. नारायणन ने सुशोभित किया, वह जेएनयू के हर छात्र के लिए गर्व का विषय था। एम.जगदीश कुमार से पहले के ग्यारह कुलपतियों की सूची देखिये, सर्वाधिक गृह कलह इन्हीं के समय हुआ है। छात्रों को तो छोड़िये, नकाबपोश गुंडे शिक्षकों को पीट रहे हैं। गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर लड़कियां दौड़ा–दौड़ा कर पीटी जा रही हैं। कुलपति एम.जगदीश कुमार के पास टीवी चौनलों को इंटरव्यू देने का भरपूर समय था, मगर मार खाये शिक्षकों–छात्रों से मिलने की फुर्सत नहीं थी। अराजकता का ऐसा अभूतपूर्व नंगा नाच तो तब भी नहीं हुआ था, जब 1983 में हुए छात्र आंदोलन में जेएनयू एक सेमेस्टर के वास्ते बंद हो गया था। हम सब उसके भुक्तभोगी थे, तिहाड़ जेल की यात्रा तक कर आये थे। ऐसा क्या था कि एक विप्लवी, यांत्रिक बुद्धि वाले व्यक्ति को वीसी बनाकर जेएनयू भेजना आवश्यक समझा गया? आप ध्यान से बीजेपी के नेता–प्रवक्ता इनके अनुषंगी संगठनों से जुड़े लोगों की बात सुनिये। एक ही छवि उकेरेंगे, 'ये लोग कम्युनिस्ट हैं, नक्सली विचारधारा को आगे बढ़ाने वाले, राष्ट्र के टुकड़े–टुकड़े करने वाले! उन्हें हर असहमत व्यक्ति टुकड़े–टुकड़े गैंग वाला दिखता है। एएमयू, जामिया, उस्मानिया में सीएए का प्रतिरोध यदि छात्र करते दिखते हैं टुकड़े–टुकड़े गैंग का ठप्पा लग जाता है। इस दमन चक्र में पुलिस की भूमिका हैरान करती है। पीएम मोदी भी शायद ऐसी ही पुलिस चाहते थे, जो कैंपस में खाकी के बदले भगवा वर्दी धारण कर ले। कमाल की है दिल्ली पुलिस, जो चौथे दिन भी नकाबपोश हमलावरों का पता नहीं लगा पाई। वहीं पुलिस जो पीएम की भतीजी के पर्स छीननेवाले को माल समेत 24 घंटे में हाजार कर देती है। देश बदल गया, पुलिस का चरित्र नहीं बदला। डीसीपी क्राइम ब्रांच जॉय टिर्की ने जेएनयू में हिंसा के लिए चार वामपंथी संगठनों के 9 छात्रों को जिम्मेदार बताया है, जिसमें छात्र संघ की अध्यक्ष आइशी घोष भी कथित रूप से शामिल थी। दिलचस्प है कि जांच टीम को लीड करने वाले जॉय टिर्की ने एक बार भी नहीं बताया कि मास्क लगाकर कैंपस में घुसे 60 बाहरी लोग कौन थे, जिनकी मार–पिटाई से 28 छात्र और टीचर घायल हुए थे। सवाल यह है कि सरकार जेएनयू से चाहती क्या है? क्या यह कि जो वहां पढ़े सत्ता की भाषा बोले, आदेशों का सिर झुकाकर पालन करे? क्या यह किसी पीढ़ी से कराना संभव है? 27 मई 1964 को पंडित नेहरू की मृत्यु हुई थी। उसी साल शीत सत्र में राज्यसभा में जेएनयू की स्थापना को लेकर प्रस्ताव रखा गया, जिसे सेलेक्ट कमेटी के हवाले कर दिया गया। उसकी रिपोर्ट आने के प्रकारांतर दोनों सदनों ने जेएनयू पर विधेयक को स्वीकृति दी और दिसंबर 1966 में यह एक्ट बना। लाल बहादुर शास्त्री उन दिनों देश के प्रधानमंत्री थे। सदन में राम मनोहर लोहिया जैसे समाजवादी नेता को समझाना टेढ़ी खीर थी। जेएनयू विध ोयक को लेकर संसद में बहस के दौरान कई शंकाएं थीं कि नाम के अनुरूप यह कांग्रेस समर्थकों का गढ़ न बन जाए। 1969 से आरंभ इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी में जो शिक्षक आये, उनमें अलग–अलग विचारधारा के लोगों को भी समाहित किया गया। यह जरूर था कि उसमें समाजवादी और वाम झुकाव वाले प्रोफेसरों का जमावड़ा हुआ। 1972 तक फैकल्टी में 182 शिक्षक नियुक्त हो चुके थे। जेएनयू की छात्र राजनीति में विरोध के तेवर छह साल बाद ही दिखाई देने लगे, जब आपातकाल लगा था। 27 अप्रैल 1974 को जी. पार्थसारथी कुलपति पद से अवकाश ले चुके थे, उसके तीन दिन बाद बी.डी. नागचौधरी ने वीसी का प्रभार ले लिया था।

मोदी सरकार ने कांग्रेस के पापों का प्रायश्चित किया : संतीश द्विवेदी

सुलतानपुर। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सतीश द्विवेदी ने कहा कि इस देश ने अल्पसंख्यकों को विशेष अधिकार दिए, पर उधर, पाकिस्तान में 20 फीसदी अल्पसंख्यक दो प्रतिशत हो गए। वहां धर्म के आधार पर सताए जाने से लोग भाग कर भारत आए। वे नारकीय जीवन जी रहे थे। कांग्रेस की सरकार ने उन्हें नागरिकता नहीं दी। मोदी सरकार ने कांग्रेस को पापों का प्रायश्चित किया है। मंत्री श्री द्विवेदी शनिवार को सुलतानपुर जिला मुख्यालय पर स्थित पंडित राम नरेश त्रिपाठी सभागार में माय होम इंडिया की स्थानीय शाखा की ओर से आयोजित 'राष्टहित में बढ़ते कदम' विषयक सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। कहा कि कांग्रेस ने ही धर्म के आधार पर देश का विभाजन कराया। बाबा साहब ने कह दिया था कि सभी मुसलमानों को विभाजन के बाद पाकिस्तान जाना चाहिए। पर, हमने सबको शरण दी। जबकि, उधर से आने वालों को कत्लेआम करके भेजा गया। हम गांधी के सपनों को साकार कर रहे हैं। जिनको नागरिकता मिलेगी राहुल गांधी को वे लोग बोझ लगते हैं। मंत्री ने कहा कि गैर भजपा सरकार सरकारों ने तुष्टिकरण किया। इससे देश का बड़ा नुकसान हुआ। कहा, धारा 370 से स्थानीय कश्मीरियों को विशेष अधिकार नहीं दिया जा सका, अलगाववादी व्यवस्था को बढ़ावा मिला। भाजपा बहुत पहले से कहती आ रही थी कि हम 370 खत्म करेंगे। आज दुनिया भर में कश्मीर कोई विषय ही नहीं रह गया कहा कि विरोधी कहते हैं कि राम मंदिर का निर्णय तो कोर्ट का है सरकार ने क्या भूमिका निभाई उन्हें बता दूं मुख्यमंत्री योगी जी ने दस्तावेजो का अनुवाद करवाया तो कोर्ट को भी निर्णय लेने में आसानी हुई। इसलिए सरकार की भूमिका राम मंदिर मामले में है। मंत्री ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पर प्रियंका गांधी के बयान की निंदा की। कहा कि कांग्रेस के कारण ही यह बिल लाना पड़ा।

विवाद में चले ईंट पत्थर, दो घायल

सीतापुर। अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे दो पक्ष आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ा कि ईंट पत्थर तक चले। जानलेवा हमले में लखनऊ के रहने वाले दो सगे भाइयों को चोटें आईं हैं। कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला हुसैनगंज में हुई घटना को लेकर पुलिस ने केस दर्ज किया है। बताते हैं कि लखनऊ स्थित बाजारखाला थाना क्षेत्र का भवानीगंज निवासी मन्ना उर्फ शरीफ अहमद अपने मामू मन्नू के देहांत की सूचना पाकर सीतापुर आया था। कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला हुसैनगंज निवासी मन्नू के अंतिम संस्कार में मन्ना का भाई भी शामिल हुआ। रिश्तेदारों के साथ ये लोग बाईपास स्थित कब्रिस्तान से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हुसैनगंज मोहल्ले के करीब दूसरे पक्ष से विवाद हो गया। रिश्तेदारों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि सड़क पर ही बवाल शुरू हो गया। मन्ना उर्फ शरीफ अहमद का आरोप है कि रेहान, जीशान पुत्रगण जुगनू और जुगनू आदि लोगों ने घेर लिया। गाली गलौज करते हुए जमकर मारपीट की गई। बाद में विपक्षियों की ओर से ईंट पत्थर भी चलाए गए। एक ईंट लगने से मन्ना का सिर फट गया। पीड़ित पक्ष की मानें तो मन्ना के भाई को भी चोट आई, खासे बवाल की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। डायल 100 टीम कोतवाली पुलिस को घटना से अवगत करायो। लखनऊ निवासी दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। यहां मेडिकल परीक्षण के बाद पीड़ित पक्ष की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई। वादी पक्ष की तहरीर पर आरोपी बने रेहान, जीशान, जुगनू के विरुद्ध केस दर्ज हुआ। शहर कोतवाल अंबर सिंह का कहना है कि लखनऊ निवासी पक्ष का दूसरे पक्ष के बीच विवाद चला आ रहा है। पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच विवाद की सूचना मिली है। शुक्रवार को हुई घटना को लेकर केस दर्ज करते हुए कुल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

युवा महोत्सव का सफल आयोजन, युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए : प्रभाकर सक्सेना

सुल्तानपुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर जनपद में सेवा के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों जैसे भारत विकास परिषद सुल्तानपुर, भारत विकास परिषद कुशभुवनपुर,रोटरी क्लब ट्रांसगोमती, रोटरी क्लब सुल्तानपुर ,लायंस सेंट्रल, लायंस मिडटाउन ,लायंस युवराज, अंकुरण फाउंडेशन,घर फाउंडेशन, आई एम ए सुल्तानपुर , राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, गोमती मित्र मंडल, शहीद स्मारक सेवा समिति, गायत्री परिवार,सेवा भारती आदि का सेवा संगम हुआ समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रभाकर सक्सेना ने कहा कि युवाओं को विवेकानंद के बारे में जागरूकता अभियान चलाकर जागृत करने की जरूरत है युवा शक्ति ही हमारी ताकत है आलोक आर्य ने कहा कि एकल परिवार के कारण आज कई तरह की समस्या आ रही है युवा शक्ति का सदुपयोग करने की जरूरत है युवा आज भटक गया है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री वर्मा ने कहा कि युवा ही हमारी शक्ति है युवाओं को विचलित नहीं होने देना है उनको सही रास्ते पर लाने के लिए स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के बारे में जानकारी देने की जरूरत है बहुत ही कम उम्र में स्वामी विवेकानंद जी पूरे विश्व में जो ख्याति पाई थी जिसकी चर्चा आज भी होती हैसफल कार्यक्रम का आयोजन नवजीवन रेजीडेंसी एव वानस्पतिक उद्यान निकट ट्रांसपोर्ट नगर कुशभुवनपुर सुल्तानपुर में किया गया कार्यक्रम में आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ बीके शुक्ला, वरिष्ठ ऑर्थो सर्जन डॉक्टर पीके पांडे, लायंस क्लब के डॉक्टर डी एस मिश्रा, राकेश सिंह पालीवाल,दिनेश दुबे, डॉ रजनीश मल्होत्रा, आलोक आर्य,हरिओम ओझा, चार्टर्ड अकाउंटेंट संतोष सिंह, डॉ यस के श्रीवास्तव,राजीव त्रिपाठी सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थिति सराहनीय रही।

सड़के बेहाल चलना हुआ दुश्वार,स्थानीय लोगों ने की सड़क बनवाने की मांग

धनपतगंज,सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के मुसाफिरखाना–देवरा संपर्क मार्ग पर इस समय बरसात में चलना किसी समस्या से कम नही है हल्की सी बरसात होने पर लोग सकड़ पर गिर कर चोटिल हो रहे हैं। बताते चलें कि इस समय क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का काम चल रहा है जिसमें मिट्टी का काम जोरों पर चल रहा है वोबर लोड डम्फर के चलने से जगह जगह सड़क में गड्ढे हो गए हैं पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर काम करने वाली कार्यदायी संस्था का रवैय्या भी मनमाना है जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है बल्दीराय मुख्यालय होने की वजह से इसौली से धनपतगंज सहित सारे लोगों को बल्दीराय मुख्यालय किसी न किसी काम से आना पड़ता है। वहीं स्थानीय नागरिक आचार्य सूर्यभान पांडेय का कहना है की सड़क पर चलना जान जोखिम में डालना है। प्रधान महेश जायसवाल ने कहा कि बरसात के मौसम में बल्दीराय किसी युद्ध के लड़ने के बराबर है,भाजपा नेता राजधर शुक्ला ने बताया कि सड़क खराब होने की वजह से बरसात में इतना कीचड़ हो जाता है कि राहगीर गिर कर चोटिल हो जाते है इस तरफ सरकार और प्रशासन का ध्यान नही है। नायब तहसीलदार अमरनाथ पाल ने बताया कि आम नागरिकों की शिकायत मिली है कार्यवाही की जा रही है।

बुलबुल प्रतियोगिता के आयोजन में पहुंचें कई जिलों के प्रतिभागी

सुल्तानपुर। पिछले कई वर्षो की भाँति इस वर्ष भी चांदा कस्बे में बुलबुल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे सुल्तानपुर जौनपुर प्रतापगढ़ अम्बेडकरनगर आजमगढ़ जनपद के सैकड़ो बुलबुल प्रेमी अपने बुलबुल के साथ प्रतिभाग किए। प्रतियोगिता में बुलबुलों की प्रतिस्पर्धा आपस में करायी गयी जिसमे सुजानगंज की बुलबुल टीम प्रथम स्थान पर व चांदा बुलबुल टीम दूसरे स्थान पर रहे ।आयोजक कमेटी की तरफ विजेता को ग्यारह हजार रूपये व उपविजेता को इक्यावन सौ रूपये का नगद पुरस्कार दिया गया। मुख्य रूप से राकेश सोनी मो इकबाल व अजमल हुसैन आयोजक रहे। प्रतियोगिता देखने के लिए लोगो की काफी भीड़ रही।

महिला आरक्षी ने थाने में की आत्महत्या

सीतापुर। जिले में खैराबाद थाने में महिला आरक्षी ने सर्विस पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। शनिवार दोपहर हुई घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। एएसपी का कहना है कि आरक्षी दो वर्ष से खैराबाद थाने में तैनात थी। बुलंदशहर की रहने वाली महिला सिपाही के साथ हुई घटना को लेकर गैर जनपद में तैनात आरक्षी पति और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। खैराबाद थाने में घटित हुई घटना करीब डेढ़ बजे की है। बताते हैं कि बुलंदशहर जनपद के बीबीनगर निवासी 26 वर्षीय शोभा चौधारी की बीते दो वर्ष से खैराबाद थाने में तैनाती रही है। एएसपी एमपी सिंह का कहना है कि महिला आरक्षी कार्यालय में ड्यूटी कर रही थी। इसी दौरान उसने मालखाने से पिस्टल निकाकर कनपटी पर गोली मार ली। फायर की आवाज सुनकर थाना परिसर में अफरातफरी मच गई। एसओ अजय यादव, घायल सिपाही को किसी तरह जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पांच मिनट तक चले इलाज के बाद शोभा चौधरी ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर डीएम अखिलेश तिवारी और एएसपी एमपी सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। हाल फिलहाल घटना के कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सके हैं। एएसपी एमपी सिंह का कहना है कि शोभा चौधरी के पति आरक्षी पद पर किसी जनपद में तैनात हैं। फिलहाल बुलंदशहर के बीबीपुर निवासी महिला आरक्षी के पिता कुंवरपाल सिंह को घटना से अवगत करा दिया गया है। बताया कि घटना की कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

घने कोहरे के चलते ट्रक पलटी

दोस्तपुर,सुल्तानपुर। घने कोहरे मे मोड़ पर जाकर एक ट्रक पलटी,जैसे कोई रोड से आकर ट्रक को उठाकर फेंक दे। मामला दोस्तपुर मोतिगरपुर बिरसिंहपुर मार्ग के दोनों मोड़ पर रात के 12:00 बजे थे उसी दरमियान एक ट्रक अपने गंतव्य स्थान मोतिगरपुर की तरफ जाना चाह रहे थे जैसे ही उस मोड़ के पास ट्रक पहुंची की कोहरा अधिक हो जाने के नाते रूट दिखाई ना दिया जिससे वह जाकर गड्ढे में पलट गई फिलहाल ड्राइवर और कंडक्टर बाल बाल कूदकर अपनी जान बचाई लोगों ने बताया कि आए दिन इसी स्थान पर गाड़ियां पलटने का सिलसिला लगातार जारी है।

विवेकानंद जी के जन्मदिन पर गोमती मित्रों ने किया श्रमदान

सुल्तानपुर। गोमती मित्रों का सप्ताहिक श्रमदान रविवार १२ जनवरी को भी सर्द सुबह और घने कोहरे के बीच ६रू३० बजे प्रातः से ही सीता कुंड धाम पर शुरू हो गया।युवा दिवस को ध्यान रखते हुए श्रमदान युवा मंडल प्रदेश अध्यक्ष अजय वर्मा के नेतृत्व में पूरे परिसर की साफ सफाई के साथ संपन्न हुआ। विवेकानंद जी की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन एवं संरक्षक रतन कसौधन ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।सभी गोमती मित्रों ने पुष्पांजलि अर्पित करके स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शो पर चलने का संकल्प लेते हुए उन्हें नमन किया,वंदन किया।भारत माता की जय के नारों से पूरा सीता कुंड धाम गुंजायमान हो उठा।मौजूद लोगों में रमेश माहेश्वरी,राजेश पाठक,अजय प्रताप सिंह,राजेंद्र शर्मा,राम क्विंचल मौर्य,डॉ कुँवर दिनकर प्रताप सिंह,विपिन,सौरभ,दीपक, दाऊजी,रामकुमार,अभय,जय नाथ,श्याम, वासु आदि रहे।

क्राइम मीटिंग व सैनिक सम्मेलन हुआ आयोजित

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय, के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन में अपराध गोष्ठी व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीध्थाना प्रभारी व आरक्षियो द्वारा भाग लिया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिसकर्मियों की समस्याओ को भी सुना गया व उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर द्वारा जनपद में अपराधों की रोकथाम के सम्बन्ध में निम्न निर्देश दिये गये।थानाध्यक्षों को अपराधो की रोकथाम एवं अनावरण के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। महिलाओं सम्बंधी अपराधो की रोकथाम व एण्टीरोमियो अभियान में प्रभावी कार्यवाही हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियो को प्रतिदिन अपने अपने थाना क्षेत्र में पैंदल गस्त, संदिग्ध वाहनो,संदिग्ध व्यक्तियो की व बैको की संघन चेकिंग हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।उन्होंने बताया कि थाने पर प्राप्त जन शिकायती प्रार्थना पत्रो का गम्भीरता से निस्तारण कराया जाये। .पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर द्वारा जनपद के थानो को यह भी निर्देश दिये गये कि अभियान चलाकर वांछित/वारण्टी/फरार/ईनामिया आपराधियो की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाये। थानो पर लम्बित विवेचनाओ, आई0जी0आर0एस0 एवं जनसूचना का निस्तारण समय पर किया जाए । सम्मन ,बी.डब्लू व नोटिस का तामिला सभी प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष समय पर कराना सुनिश्चित करें। थाना क्षेत्र में सक्रिय, जेल से छुटे हुए अपराधियो का नियमित निगरानी व उनका डोजियर भराना सुनिश्चित करें। सप्ताह में एक दिन थानो पर पुलिस कर्मियो द्वारा स्वच्छता का अभियान चला कर थानो को स्वच्छ रखें।

अवर अभियंता ने नया कनेक्शन दिलाने के नाम पर किसानों से हड़पे रुपये, मुकदमे का आदेश

– जेई के अनुचित प्रभाव में बचाती रही पुलिस,सीजेएम हरीश कुमार ने लिया संज्ञान

– तीन हार्स पावर व व्यवसायिक कनेक्शन दिलाने के नाम पर 64 हजार रुपये हड़पने का मामला

– तैनाती स्थल से जुड़े क्षेत्रो में उपभोक्ताओं से घपला करने में अक्सर बदनाम रहे है जेई जियालाल

सुलतानपुर। किसानों को नया बिजली कनेक्शन दिलाने के नाम पर रुपये हड़पने के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने जेई के खिलाफ संज्ञान लिया है। न्यायाधीश हरीश कुमार ने इस तरीके के दो मामलो में जेई जियालाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश के लिए संबंधित थानाध्यक्ष को आदेशित किया है। दोनों ही मामले अखंडनगर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव से जुड़े हैं। जहां के रहने वाले दयाराम ने विद्युत जेई जियालाल के खिलाफ आरोप लगाया है कि उन्होंने तीन हार्स पावर का कनेक्शन दिलाने के नाम पर 22 हजार रूपये बीते वर्ष 10 जुलाई को लिया और बाद में न तो कनेक्शन कराया एवं न ही मांगने पर रुपये वापस किये। इसी तरह से जेई जियालाल पर इसी गांव के रहने वाले जोखनलाल ने भी व्यवसायिक उपयोग के लिए नया कनेक्शन दिलाने के नाम पर 42 हजार रूपये हड़प लेने का आरोप लगाते हुए कोर्ट में अर्जी दी। जोखनलाल के मुताबिक यह रूपये जेई को उसने बीते वर्ष नौ फरवरी को दिया था। इतना समय बीतने के बाद भी जेई ने उनका कनेक्शन भी नहीं कराया और मांगने पर रूपये भी वापस नहीं किये। इन मामलो में थाने से लेकर एसपी दफ्तर तक के किसी भी अधिकारी ने सूचना के बाद भी जेई के अनुचित प्रभाव में कार्यवाही करने की जहमत नहीं उठायी। दोनों ही मामलो में सुनवाई के पश्चात सीजेएम हरीश कुमार ने संज्ञान लेते हुए अखंडनगर थानाध्यक्ष को केस दर्ज कर तफ्तीश के लिए आदेशित किया है। कोर्ट के इस आदेश से अब जेई जियालाल पर मुकदमा दर्ज होना तय है। जिससे उनकी मुश्किले बढ़ती नजर आ रही है। कोर्ट से हुए इस आदेश की जानकारी मिलने के बाद पुलिसिया कार्यवाही न होने से चुप बैठे अन्य भुक्तभोगियों का भी मामला कोर्ट पहुँचने की चर्चाएं तेज हो गई है।

कुड़वार अलीगंज मार्ग हुआ जर्जर

सुल्तानपुर। कुड़वार।क्षेत्र के कुड़वार से अलीगंज जाने वाली मार्ग जो कहीं ना कहीं एक जिले को दूसरे जिले के छोड़ तक पहुंचाने का कार्य पूरा करती है। वही मार्ग आज राहगीरों को चोटिला करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। सुल्तानपुर सांसद माननीय मेनका गांधी कई बार इसी मार्ग से अनेकों कार्यक्रम संपन्न किया हैं , पर उन्हें इस मार्ग की कोई कमी नहीं दिखाई दी। वैसे तो यह मार्ग पूरी तरह से गड्ढा युक्त है लेकिन बारिश के मौसम में आप इस मार्ग पर मछली पालन भी कर सकते हैं। खुशी की बात यह है कि जब योगी जी का आदेश आता है कि सारी सड़कें गड्ढा मुक्त होनी चाहिए उस समय इस मार्ग पर मिट्टी भराई का कार्य किया जाता है जो कहीं ना कहीं राहगीरों की आंखों में धूल झोंकने का कार्य पूरी तरह से संपन्न किया जाता है।

स्वास्थ्य कर्मी व मरीज के तीमारदार भिड़े

सुल्तानपुर। कादीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे बीती रात लगभग दस बजे मरीज के तीमारदारों ने मरीज के मृत्यु से गुस्साए इमरजेंसी देख रहे डाक्टर नित्यानंद, चीफ फार्मेसिस्ट बीडी आर्या एंव वार्ड ब्वाय सहदेव को बुरी तरह पीटा।अस्पताल मे की तोड़ फोड़।गुस्साए अस्पताल कर्मचारियों ने की ओपीडी बन्द।ठोस निर्णय के बाद ही काम करेंगे अस्पताल कर्मी।मरीज की मौत से परिजनों का हंगामा। गुस्साये तीमारदारों ने डॉक्टर,फार्मासिस्ट और वार्ड बॉय को पीटा, अस्पताल में की तोड़फोड़। नाराज स्वास्थ्यकर्मियों ने की ओपीडी सेवा बंद। कादीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला।

बैंकों की हड़ताल से लोग हुए परेशान

सुलतानपुर आठ जनवरी को कर्मचारी यूनियन्स के देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में जिले की बैंक यूनियन्स भी हड़ताल पर रही। बुधवार को सभी केंद्रीयकृत बैंकों में हड़ताल होने के कारण उपभोक्ताओं को काफी परेशानी उठानी पड़ी। ग्रामीणांचल के उपभोक्ताओं को हड़ताल की पहले से जानकारी नहीं होने से मुख्यालय आकर लौटना पड़ा है। केंद्र सरकार पर कर्मचारी विरोधी कार्य करने का आरोप लगाते हुए कर्मचारी यूनियन्स की ओर से बुधवार को हड़ताल घोषित की गई थी। इसी को लेकर यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स व यूनाइटेड फोरम आफ आरआरबी यूनियन्स के पदाधिकारियों ने जुलूस निकालकर एक–दूसरे बैंक तक पहुंचकर सुबह ही सभी शाखाओं को बंद करा दिया गया। इलाहाबाद बैंक, विजया बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया समेत सभी बैंकों के कर्मचारी व अधिकारी हड़ताल पर रहे। ग्रामीण बैंकों ने भी हड़ताल का समर्थन किया। कुछ बैंक शाखाओं में हड़ताल का पूर्ण असर दिखा तो कुछ में काली पट्टी बांधकर कर्मचारी व अधिकारी कार्य करते दिखे। वहीं, प्राइवेट बैंकों में भी हड़ताल का आंशिक असर देखा गया। बीएसएनएल यूनियन्स समेत अन्य कर्मचारी संगठनों की ओर से हड़ताल रही। जिसके चलते आम उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ा।

पूर्व प्रमुख यशभद्र सिंह ने बांटे कम्बल

सुल्तानपुर। कड़ाके की ठंड में गरीब, असहायों व निराश्रित लोंगो को कंबल वितरण करने का सिलसिला जारी है। बुधवार को धनपतगंज ब्लॉक के समरथपुर गांव में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य व पूर्व ब्लाक प्रमुख यशभद्र सिंह श्मोनूश ने कंबल वितरित किया। वितरण के दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि कड़ाके कि ठंड में असहाय और गरीबो को कंबल वितरण करने से अच्छा कोई काम नही है । कार्यक्रम के आयोजक ग्राम प्रधान राजेश तिवारी द्वारा 600 कंबल वितरित किया गया।

सड़के हुई बेहाल, चलना हुआ मुहाल

धनपतगंज,सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के मुसाफिरखाना–देवरा संपर्क मार्ग पर इस समय बरसात में चलना किसी समस्या से कम नही है। हल्की सी बरसात होने पर लोग सकड़ पर गिर कर चोटिल हो रहे हैं। बताते चलें कि इस समय क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का काम चल रहा है। जिसमें मिट्टी का काम जोरों पर चल रहा है ।ओबर लोड डंम्फर के चलने से जगह जगह सड़क में गड्ढे हो गए हैं।पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर काम करने वाली कार्यदायी संस्था का रवैय्या भी मनमाना है। जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। बल्दीराय तहसील मुख्यालय होने की वजह से इसौली से धनपतगंज सहित सारे लोगों को बल्दीराय मुख्यालय किसी न किसी काम से आना पड़ता है। वहीं स्थानीय नागरिक आचार्य सूर्यभान पांडेय का कहना है की सड़क पर चलना जान जोखिम में डालना है। प्रधान महेश जायसवाल ने कहा कि बरसात के मौसम में बल्दीराय किसी युद्ध के लड़ने के बराबर है। भाजपा नेता राजधर शुक्ला ने बताया कि सड़क खराब होने की वजह से बरसात में इतना कीचड़ हो जाता है कि राहगीर गिर कर चोटिल हो जाते है। इस तरफ सरकार और प्रशासन का ध्यान नही है। नायब तहसीलदार अमरनाथ पाल ने बताया कि आम नागरिकों की शिकायत मिली है कार्यवाही की जा रही है।

मैक व अवैध खनन माफियाओं की कसेगी नकेल

पत्रकारों से वार्ता करते हुए नवागत कप्तान ने कहा कि पुलिस का कार्य अब दिखेगा

सुल्तानपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक शिवहरी मीणा ने पत्रकारो से वार्ता करते हुए कहा कि मेरी प्राथमिकताओं में बेहतर पुलिसिंग और पीडितों को न्याय दिलाना प्रमुख होगा। जनपद में हो रहें स्मैक कारोबार और अवैध खनन और नगर के अतिक्रमण के मामले में कप्तान शिवहरि मीणा काफी सख्त दिखे। स्मैक कारोबार और उनके कारोबारियों पर कप्तान ने कहा बहुत जल्द परिणाम दिखेंगे। तो वही अवैध खनन और अतिक्रमण पर उन्होने जिलाधिकारी के साथ मीटिंग के बाद रणनीति बनाकर काम करने की बात कहीं।लाखों की हुई चोरी के खुलासे पर कहा कि बहुत जल्द खुलासा किया जाएगा।गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत विगत माह में हुई पत्रकार के यहां लाखो की चोरी के खुलासे के मामले को भी वरिष्ठ पत्रकार मनोराम पाण्डेय ने उठाते हुए कहा कि हमारे घर मे हुई चोरी का मामला के अभी तक कोई खुलासा नही हुआ। बता दे नवागत पुलिस अधीक्षक ने एक सप्ताह का समय लेते हुए कहा कि बहुत जल्द इस घटना का भी खुलासा होगा। शहर के करौदिंया मुहल्ले को स्मैक कारोबार का बडा सेंटर माना जाता हैं। जहा आए दिन स्मैक कारोबारी और स्मैकियों की आमदरफ्त बनी रहती हैं। जिससे मोहल्ले वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं,पर कहा कि शीघ्र ही अंकुश लगेगा।

दिव्यांगजन, शादी–विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ उठायें : जिलाधिकारी

सुलतानपुर। शासन द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी–विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दम्पत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15000 व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20000 तथा युवक–युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35000 प्रदान किया जाता है। पात्रता की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने दिव्यांगजनों से दिव्यांगजन शादी–विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ उठाये जाने की अपील की है। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो, युवती की उम्र 18 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो, दम्पत्ति में कोई आयकर दाता न हो, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांगता प्रमाण–पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिये, ऐसे दिव्यांग दम्पत्ति पात्र होगें, जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो। उन्होंने बताया कि दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने के इच्छुक दिव्यांग दम्पत्ति ऑनलाइन http://divyangjan.upsdc.gov.in पर आवेदन करें। ऑनलाइन फार्म भरते सयम आवेदक दम्पत्ति की दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो रजिस्ट्रार द्वारा निर्गत विवाह पंजीकरण प्रमाण–पत्र, आय व जाति प्रमाण पत्र युवक एवं युवती का आयु प्रमाण पत्र (जिसमें जन्मतिथि का अंकन हो) मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत दिव्यांग प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र व युवक एवं युवती की आधार कार्ड की छायाप्रति आदि अभिलेखों के साथ आवेदन पत्र ऑनलाइन उपरोक्त वेबसाइट पर करना अनिवार्य है, साथ ही ऑनलाइन सबमिट आवेदन पत्र का प्रिन्ट एवं वांछित प्रपत्रों की स्वप्रमाणित हार्डकापी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, कक्ष संख्य 17 विकास भवन में जमा करायें।

बकाया विद्युत बिल बिना ब्याज के जमा करें

सुल्तानपुर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड उत्तर प्रदेश द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत बिलों को ब्याज मुक्त होकर के जमा करने की जारी योजना के अंतर्गत बकायेदार अभी भी आसान किस्तो मे अपने बकाया बिल का भुगतान कर सकते है। विद्युत वितरण खंड कादीपुर के अधिशासी अभियंता चंद्रबिंदु प्रकाश ने बताया कि विद्युत वितरण खंड कादीपुर के अंतर्गत विद्युत उपकेंद्र अखंड नगर, दोस्तपुर, करौदीकला एवं कादीपुर से संबंधित घरेलू बत्ती पंखा के उपभोक्ताओं को शासन द्वारा संचालित आसान किस्त योजना के अंतर्गत अक्टूबर माह 2019 तक के ब्याज को शासन ने माफ करते हुए 24 किस्तों में बिल जमा करने की सुविधा प्रदान किया है। मेरा अपना मानना है इतनी सरल योजना कभी भी नहीं आई थी और ना ही आयेगी। इस योजना का सभी उपभोक्ताओं को लाभ उठाना चाहिए। जो भी विद्युत बिल के बकायेदारों है सभी उपभोक्ता दिनांक 31 जनवरी 2020 तक अपना पंजीकरण कार्यालय में आकर के करवा ले और उससे आसान किस्तों में अपनी बिल को जमा करें। छूट समाप्त होने के बाद बकाया बिल की वसूली आरसी द्वारा भी की जा सकती है बकायादारों को चाहिए कि इस असुविधा से बचे। पंजीकरण में किसी भी उपभोक्ता को कहीं भी किसी भी प्रकार की असुविधा होती है तो उपखंड अधिकारी कादीपुर के मोबाइल नंबर 9415 901577, उपखंड अधिकारी दोस्तपुर मोबाइल नंबर 73 7940 6810, अधिशासी अभियंता कादीपुर के मोबाइल नंबर 94 15190158 पर संपर्क कर अपनी परेशानी से अवगत कराए समस्याओं का निस्तारण तत्काल प्रभाव से किया जाएगा।

घाघरा नदी की जलधारा को रोक बनाया अस्थाई पुल

रुदौली (अयोध्या)। घाघरा नदी की जलधारा को रोककर अवैध रूप से अस्थाई पुल का निर्माण कर लिया गया। अवैध अस्थाई पुल से खनन को बढ़ावा मिल रहा है। शिकायत हुई तो डीएम के सख्त रुख के बाद अब अफसर चेते हैं। बालू खनन ठेकेदार ने खैरी में जिस अवैध पुल को बनाया है, उसे प्रशासन ढहाने की तैयारी में है। यह पुल बगैर अनुमति बनाया गया।

गोंडा व अयोध्या सीमा पर अस्थाई पुल बनाकर अवैध रूप से बालू खनन किया जा रहा है। डीएम की अनुमति से एडीएम प्रशासन संतोष सिंह ने पुल ढहाने के निर्देश दिए हैं। खैरी गांव के निकट घाघरा नदी पर गोंडा में आवंटित पट्टे से रेत खनन करने के लिए बनाए गए पुल को धकेलने गई प्रशासनिक टीम शनिवार को किसानों के विरोध के चलते वापस लौट आई। उप जिलाधिकारी विपिन सिंह के मुताबिक किसानों के गन्ने की ट्रालियों को निकालने के बाद पुल को ढहा दिया जाएगा। अस्थाई व अवैध पुल का निर्माण कुमार कांट्रेक्शन चिनहट की तरफ से कराया गया है। शुजागंज क्षेत्र में खैरी गांव के निकट घाघरा नदी के दूसरे छोर पर गोंडा जिले का पट्टा आवंटित है। पट्टाधारक इसी अस्थाई पुल के सहारे बालू लदी गाड़ियों को निकालता है। इससे नुकसान अयोध्या जिले की सड़कों का होता है, लेकिन राजस्व का फायदा गोंडा का होता है। एसडीएम ने बताया कि कुछ किसानों की गन्ने की फसल नदी उस पार है। गन्ना कटवाकर मिल पहुंचाने की मोहलत दी गई है। एडीएम प्रशासन संतोष सिंह ने बताया कि नदी की धारा रोक कर बगैर अनुमति पुल बनाना गलत है। खनन अधिकारी, एसडीएम व सीओ को मुकदमा दर्ज करने व पुल ढहाने के निर्देश दिए गए हैं।

अयोध्या में महापुरुषों के नाम पर होंगे शहर के प्रमुख चौराहे

अयोध्या। हाईवे से अयोध्या की नगरीय सीमा में प्रवेश करने के लिए वाहन चालक से अभी कहा जाता है सआदतगंत चौराहे पर ले चलिए, लेकिन आने वाले दिनों में टैक्सी वालों से कहना पड़ेगा कि महाराणा प्रताप चौराहा चलना है। इसी तरह फतेहगंज चौराहे जाना है, तो रिक्शे वाले से कहना होगा कि भामाशाह चौराहा ले चलो। ऐसा इसलिए करना होगा, क्योंकि आने वाले दिनों में शहर के प्रमुख चौराहे नए नाम से जाने जाएंगे।

नगर निगम क्षेत्र में आने वाले प्रमुख चौराहों की पहचान महापुरुषों के नाम पर करने की कवायद चल रही है। नगर निगम बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया जा चुका है। चौराहों का नया नामकरण करने संबंधी पार्षदों के प्रस्ताव को नगर निगम ने हरी झंडी दे दी है। प्रस्ताव को अमलीजामा मिलने के बाद अयोध्या में जयप्रकाश, अटल बिहारी वाजपेयी, अशोक सिंहल के नाम से चौराहों को जाना जाएगा। नए नामकरण में फैजाबाद के साथ–साथ रामनगरी के भी प्रमुख चौराहे शामिल हैं।

पार्षदों के प्रस्ताव में चौराहों के नए नाम– पार्षद अनिल सिंह ने रिकाबगंज चौराहे का नाम जयप्रकाश नारायण, बाबूनंदन सोनकर ने नियावां चौराहे का नाम महर्षि कश्यप व मछली मंडी चौराहे का नाम निषादराज चौराहा, ओमप्रकाश ने रामनगर चौराहे का नामकरण प्रभु झूलेलाल, लक्ष्मी सिंह ने रामघाट चौराहे का नाम अशोक सिंहल, अनुभव जायसवाल ने फतेहगंज चौराहे का नाम भामाशाह, रीना ने टीवी टॉवर चौराहे का नाम अटल बिहारी वाजपेयी, संतोष सिंह ने सआदतगंज बाइपास चौराहे का नाम महाराणा प्रताप, डीएम आवास के निकट चौराहे का नाम सरदार भगत सिंह व पार्षद रामनंदन तिवारी ने खवासपुरा चौराहे का नाम महर्षि वाल्मिकी के नाम पर करने का प्रस्ताव रखा है। पार्षद अशोका द्विवेदी की ओर से सभी प्रमुख चौराहों व पार्कों में महापुरुषों की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव भी पारित हो चुका है।

महापुरुषों के नाम पर चौराहों का नामकरण करने के लिए पार्षदों ने प्रस्ताव दिया है, जिसे लेकर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

सच्चिदानंद सिंह, अपर नगर आयुक्त

रुपये हड़पने की आरोपी कंपनी के खिलाफ निवेशकों ने घेरा थाना

कुमारगंज (अयोध्या)। निवेशकों का रुपया हड़पने की आरोपी कंपनी श्रीराम बुलियन के खिलाफ कार्रवाई न होने पर पीड़ितों का आक्रोश रविवार को फूट पड़ा। काफी संख्या में कुमारगंज पहुंचे निवेशकों ने थाने का घेराव किया। कंपनी के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने अयोध्या ही नहीं सुल्तानपुर व अमेठी जिले के 500 से अधिक निवेशकों का रुपया हड़प लिया है। अभियोग पंजीकृत कराने के बाद भी पुलिस आरोपितो पर कार्रवाई नहीं कर रही है। व्यापार मंडल अध्यक्ष खुशीराम कौशल ने बताया कि आठ महीने से इस मामले में मुकदमा दर्ज है, लेकिन पुलिस की जांच में कोई तेजी नहीं है। थाना घेराव की सूचना मिलते ही सीओ मिल्कीपुर आरके राय ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। एक सप्ताह में जांच कर रिपोर्ट देने के लिए विवेचक को निर्देशित किया। घेराव के दौरान संजीव सिंह, अंकित कसौधन, विपिन कुमार, निर्मल, संदीप कुमार, जयदीप, राकेश कुमार मौजूद रहे। सीओ ने बताया कि आरोपी कंपनी के खिलाफ पहले से मुकदमा दर्ज है। आरोपियों ने कोर्ट से स्थगनादेश ले रखा है।

बोलेरो से हो रही थी अवैध शराब की तस्करी, गाड़ी समेत चार गिरफ्तार

गोण्डा। स्थानीय थाना क्षेत्र में रात्रि भ्रमण के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी कर भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब की खेप बरामद की है।प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस बल के थानाक्षेत्र के बरियाडीह तिराहे से चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके पास से अवैध कच्ची शराब के साथ ही बोलेरो व एक आरोपी जितेंद्र के पास से 315 बोर तमंचा व जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि रघुराज पुत्र रामलगन निवासी चौखड़िया बराखंडी पुरवा थानाक्षेत्र नवाबगंज,सुरेश यादव पुत्र बजरंग यादव निवासी पेड़ी तिवारी पुरवा लौवा वीरपुर नवाबगंज, जितेंद्र पाण्डेय पुत्र अवधेश पाण्डेय निवासी सेमरा शेखपुर नवाबगंज व अर्जुन सिंह पुत्र राम आसरे निवासी व्योदा उपरहर डीह नवाबगंज को गिरफ्तार कर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। टीम में प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर वर्मा के साथ उप निरीक्षक विनय पाण्डेय, आदित्य गौरव श्रीवास्तव, रामदेव,हेड कांस्टेबल सुरेश चंद्र मिश्र, कांस्टेबल राकेश यादव व सुरेंद्र पाल शमिल रहे।

अयोध्या के खनन व्यवसायी का गोण्डा में रेता गला

गोण्डा। कोतवाली देहात क्षेत्र में रविवार को कुछ लोगों ने अयोध्या जिले के एक खनन व्यवसायी पर चाकुओं से हमला कर उसका गला रेत दिया। खून से लथपथ युवक को गंभीर अवस्था में रास्ते में फेंक बोलेरो लेकर फरार हो गए। राहगीरों की सूचना पर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से डॉक्टरों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वारदात के पीछे बालू खनन के मामले में पैसे का लेन–देन बताया जा रहा है। घायल अयोध्या के रुदौली क्षेत्र का खनन कारोबारी है। परिजनों के मुताबिक अयोध्या जिले के रुदौली कोतवाली के नैपुरा गांव निवासी अभिमन्यु यादव को उसके गांव के ही तीन लोग शनिवार की रात करीब 11 बजे बलरामपुर छोड़ देने की बात कहकर बुला ले गए। घायल युवक के साले मनोज यादव ने बताया कि बेलसर से गाड़ी लेकर निकले और कटरा में एक पेट्रोल पंप से तेल भराकर आगे बढ़े तो तीन और अज्ञात लोगों ने बोलेरो चालक से लिफ्ट मांगी। आरोप है कि वह जैसे ही मुंडेरवामाफी गांव के पास पहुंचे, तभी उन लोगों ने चाकुओं से अभिमन्यु पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायलावस्था में ही बदमाश उसे गाड़ी में बैठाए दूर रास्ते पर जिकर झाड़ियों में फेंक गाड़ी समेत जेब से दो हजार रुपये व मोबाइल भी लेकर फरार हो गए। ग्रामीणों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। युवक के शरीर व सिर में कई जख्म है, गले पर कई गहरे जख्म पाए गए हैं। माना जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के पीछे खनन के कारोबार में संलिप्त एक पार्टनर का भी हाथ हो सकता है। जिससे तीन माह पहले हाथापाई भी हुई थी। देहात कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि जांच–पड़ताल की जा रही है। आपसी रंजिश और लेन–देन का विवाद हो सकता है।

महिला बाइकर्स की अगुवाई में निकली जागरुकता रैली

गोण्डा। परिवहन विभाग की ओर से 31 वें सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। पहले दिन महिला बाइकर्स की अगुवाई में बाइकोत्थान रैली निकाली गई। शहर के वेंकटाचार्य क्लब से एडीएम राकेश कुमार और एएसपी महेन्द्र कुमार ने जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाई। जागरुकता रैली पर मौसम का असर देखने को मिला, जिसके चलते रैली में केवल करीब सवा बाइक सवार ही जागरुकता रैली में शामिल हुए। इस अभियान में एक सप्ताह तक लगातार जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित होंगे और कार्यशाला का भी आयोजन होगा। एडीएम राकेश कुमार ने बताया कि लोगों में सड़क सुरक्षा और यातायात के नियमों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब लोग स्वयं जागरुक होंगे तभी सड़क हादसों को रोका जा सकेगा। एएसपी महेन्द्र कुमार ने बताया कि परिवहन विभाग के साथ ही पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा और यातायात की दिशा में सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी थानों पर चेकिंग के साथ ही लोगों को जागरुक करने के लिए कोशिश की जा रही है। रैली के आयोजन में एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार मौर्य के साथ संभागीय निरीक्षक संजय कुमार, अनिल देव शर्मा, राहुल कुमार आदि ने सहयोग किया।

दुकान में सेंध लगा नकदी समेत लाखों का माल पार

गोण्डा। कोतवाली करनैलगंज के बालपुर चौकी के ठीक सामने किराने की एक दुकान में चोरों ने सेंध काटकर 60 हजार नकद व डेढ़ लाख का सामान पार कर दिया। सुबह जब दुकान खोलने के लिए दुकान मालिक आये तब चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित ने चौकी बालपुर में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दिया है। पुलिस मामले के जांच में जुटी हुई है। शनिवार की रात पुलिस चौकी बालपुर के सामने सनी किराना स्टोर के नाम से दुकान है। दुकान मालिक सनी के मुताबिक शनिवार को दुकान बंद करके अपने आवास बालपुर बाजार चले गये। रात में चोर पीछे की दीवार में सेंध लगाकर दुकान में घुस आये। चोरों ने सीसीटीवी कैमरा तोड़ डाला और दुकान में रखा 60 हजार नकद, 10 टिन सरसों का तेल, 10 टिन रिफाइंड तेल, 25 किलोग्राम बादाम, 2 किलोग्राम अखरोट, 2 किलो पिस्ता, 10 किलो काजू उठा ले गये। सनी के मुताबिक चोरी गये सामान की कीमत करीब 1.5 लाख रुपये है। चोरी के अलावा 5 क्विंटल अनाज आपस में मिक्स कर दिया। पीड़ित ने चौकी बालपुर में तहरीर दिया है। चोरी की सूचना पर कोतवाल केके राणा, चौकी प्रभारी जयहरि मिश्र ने मौके पर पहुँचकर जांच शुरू कर दिया है।

एटीएम कार्ड बदलकर रुपये निकालने वाले गिरोह का भंडाफोड़

रायबरेली। एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रुपये निकालने वाले एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। सरगना समेत गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह सभी प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले हैं। गृहजनपद के साथ ही रायबरेली, कानपुर, फतेहपुर और कौशांबी में भी घूम–घूमकर अपने कारनामे करते आ रहे थे।

बैंक खाताधारकों के लिए मुसीबत बने इस गैंग को पकड़ने में सफलता ऊंचाहार पुलिस को मिली है। क्षेत्राधिकारी डलमऊ आरपी शाही ने रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के किरण हाल में इन गिरफ्तारियों का राजफाश किया। सीओ ने बताया कि कस्बे में एटीएम कार्ड बदलकर 40 हजार रुपये निकाले जाने की घटना हुई थी। इसकी तफ्तीश के दौरान ऊंचाहार कोतवाल धर्मेंद्र दुबे को इन बदमाशों का सुराग लगा। जिसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने शनिवार को कस्बे में रेलवे की बड़ी क्रॉसिग के पास से इन्हें गिरफ्तार कर लिया। इन बदमाशों के पास से 315 बोर का एक तमंचा, 31700 रुपये, अलग–अलग बैंकों के 25 एटीएम और डेबिट कार्ड, अलग–अलग तालों की 14 चाबियां और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद हुआ है। राजफाश के दौरान सीओ सिटी गोपी नाथ सोनी भी मौजूद रहे।

गैंग के सरगना पर दर्ज हैं 18 मुकदमे

पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाशों में प्रतापगढ़ जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के कुंहारन का पुरवा मजरे अस्थान निवासी दिनेश कुमार पटेल ही गैंग का सरगना है। इसके खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या, लूट और डकैती समेत 18 मुकदमे दर्ज हैं। जबकि इसी जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के अल्लोपुर बुखारी का राज सोनकर और बभनपुर का रंजीत कुमार इस गैंग के सदस्य है। दिनेश अभी कुछ दिन पहले ही जेल से छूट कर आया था।

पुलिस के अनुसार ये तीनों बदमाश कभी एक साथ मिलकर घटना को अंजाम देते थे, तो कभी अलग–अलग घूम–घूमकर खाताधारकों को निशाना बनाते थे। इनकी गिरफ्तारी से ऊंचाहार, सलोन, डलमऊ और शहर कोतवाली क्षेत्र में हाल ही में कुछ तीन घटनाओं का राजफाश हो गया है।

टुकड़े–टुकड़े गैंग ने रची देश को तोड़ने की साजिश

रायबरेली। संसद में नागरिकता संशोधन बिल पेश होने के बाद देश के कई हिस्सों में तोड़फोड़ की घटनाओं के लिए उप मुख्यमंत्री ने टुकड़े–टुकड़े गैंग को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कम्युनिस्टों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। जनता से आह्वान किया कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त भारत के सपने को साकार करने में पूरा समर्थन दें। शहर के सुपर मार्केट में भाजपा की जनसभा के दौरा डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि नागरिकता संशोधन बिल अधिकार देने के लिए बना है, अधिकार छीनने के लिए नहीं। 31 दिसंबर 2014 तक जो शरणार्थी भारत में रह रहे हैं। उन सभी को नागरिकता देने का काम भारत सरकार करने जा रही है। एमआइएम के नेता ओवैसी कहते हैं कि आप सिख को, ईसाइ को, बौद्ध को नागरिकता दे रहे हैं। मुसलमानों को क्यों नहीं। मैं बताना चाहता हूं कि वो इसलिए क्योंकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान मुस्लिम बहुल देश हैं। वहां वे बहुसंख्यक हैं, अल्पसंख्यक नहीं। जेएनयू, जामिया, अलीगढ़ यूनीवर्सिटी और फिर लखनऊ में प्रदर्शन पर वह बोले कि टुकड़े–टुकड़े गैंग द्वारा ऐसा कराया गया। वही लोग हिसा फैलाते हैं और फिर कहते हैं कि संघ वालों ने ये सब किया है। लखनऊ तहजीब का शहर है। यहां भी हिसा हुई, जोकि लखनऊ के लिए कलंक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में तीन तलाक पर कानून बना। कश्मीर में धारा 370 हटा दी गई। और तो और अयोध्या में राम मंदिर बनाने पर फैसला भी आ गया। अब वहां देश का नहीं बल्कि विश्व का सबसे भव्य राममंदिर बनेगा। जेएनयू में जब टुकड़े–टुकड़े गैंग ढपली बजाता है तो एक तरफ योगेंद्र यादव तो दूसरी ओर शरद यादव, प्रकाश करात, सीताराम येचुरी आ जाते हैं। विपक्षियों को कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है। इसलिए एक जाल बनाया गया। ताकि देश में अराजकता फैले। यूपी के 75 जिलों में से 21 में हिसा हुई। कुछ जिलों में ज्यादा हिसक प्रदर्शन हुए। इसमें जो संपत्ति का नुकसान हुआ, उसकी भरपाई उपद्रवियों से की जाएगी। ये कोर्ट का आदेश है। मुख्यमंत्री भी वही कर रहे हैं।

प्रतिशोध में की वारदात, पांच गिरफ्तार

मुसाफिरखाना (अमेठी)। दो साल पहले मई के महीने में बादल नाम के युवक को पेड़ में बांधकर पीटे जाने के प्रतिशोध के चलते गुलाबगंज में तांडव हुआ। पुलिस ने रविवार को घटना का राजफाश करते हुए पांच पकड़े गए आरोपितों को जेल भेजने का दावा किया है। क्षेत्राधिकारी संतोष सिंह ने कोतवाली में घटना का राजफाश करते हुए बताया कि 2018 में बादल सिंह नाम के युवक को बाजार व आस पास के लोगों ने पेड़ में बांधकर पीटा था। जिसके प्रतिशोध में बीती आठ जनवरी को करपिया के गुलाबगंज बाजार में मारपीट व तोड़फोड़ की घटना हुई। घटना में शामिल पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीओ ने बताया कि बादल सिंह, अनुरूद्ध उर्फ टवींकल निवासी करपिया, रबी यादव पूरे बल्दी मानामदनपुर, प्रवीण सिंह घुसियरिया, सत्यम सिंह पिण्डारा को रविवार अलीगंज कस्बे के करीब से करीब से गिरफ्तार किया गया है। शेष आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक बादल सिह के अपराध की फेहरिस्त लंबी है। उसे अभी कुछ दिन पहले कुमारगंज पुलिस ने भी जेल भेजा था।

नगरीय क्षेत्र के कार्ड धारकों को नहीं मिलेगा मिट्टी का तेल

अमेठी। जिले के नगरीय क्षेत्र के कार्ड धारक उपभोक्ताओं के मिट्टी के तेल पर रोक लगा दी गई है। डीएम ने खाद्य तथा रसद विभाग को तेल का आवंटन न करने के लिए पत्र भेजा हैं। अंत्योदय व पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को शासन ने गैस व विद्युत कनेक्शन होने पर मिट्टी का तेल न देने के लिए सर्वे का काम शुरू करा दिया हैं। गैस कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 338304 गैस व 247734 विद्युत कनेक्शन धारक हैं, जबकि नगरीय क्षेत्र में घरेलू गैस के 10892 कनेक्शन धारक हैं। हर घर में बिजली का कनेक्शन होने के कारण मिट्टी के तेल की मांग कार्ड धारकों द्वारा नहीं किया गया हैं, जिसके चलते आवंटित 8943 लीटर मिट्टी का तेल वापस करना पड़ा। इस पर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने खाद्य एवं रसद विभाग को पत्र भेजकर जनवरी, फरवरी व मार्च माह में तेल का आवंटन न करने का अनुरोध किया हैं। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार ने कहाकि चतुर्थ मास का तेल नगरीय क्षेत्र में नही दिया जा सकेगा।

आपसी सदभाव के लिए निकाली गई सदभावना रैली

मुसाफिरखाना। करपिया गाव के गुलाबगंज में बीते बुधवार को नकाबपोश अराजकतत्वों ने दुकानों में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। मामले को लेकर करपिया गाव समेत आसपास के इलाके में तनाव को देखते हुए प्रशासन ने माहौल सही करने के लिए कैंप किए हुए है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक व एडीएम ने गाव में अमनचौन बनाए रखने के लिए सदभावना रैली निकाली और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं गांव में ऐतिहातन मौके पर भारी पुलिस व पीएसी बल के जवान तैनात हैं। दो दिन बाद आज गाव में जनप्रतिनिधियों ने पहुंच कर ग्रामीणों से शाति एवं सदभाव बनाए रखने की बात कही। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामलखन शुक्ला, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाजपा ओमप्रकाश पाडेय, अधिवक्ता राजेश सिंह, समर बहादुर, सामाजिक कार्यकर्ता इकबाल हैदर समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने शुक्रवार को करपिया गाव में बैठक कर लोगों से शाति की अपील की। कोतवाल अवधेश कुमार ने बताया कि गांव पूरी तरह शात है।

ठंड से बचाव के लिए गरीबों को बाटे गए कंबल

अमेठी। जिले के कई स्थानों पर गरीबों व मजरूमों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में कंबल बांटे गए। वहीं कंबल पाकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान साफ झलक रही थी। फुरसतगंज की ग्राम पंचायत निगोहा के ग्राम प्रधानपति अशोक पाल की ओर से आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तिलोई विधायक राजा मयंकेश्वर शरण द्वारा पांच सौ कंबल वितरित किया गया। विधायक ने कहा कि गरीबों की सेवा करना पुनीत कार्य है। इसमें सभी को भागीदार बनना चाहिए। इस मौके पर रमेश बहादुर सिंह, रमेश प्रजापति, राम शकर, हरी प्रसाद, राम शकर अवस्थी, शिवाकांत द्विवेदी, कृष्ण कुमार मौर्य, रामनरेश मौर्या, राकेश मिश्रा, छोटे लाल यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे। शाहगढ़ के छपेड़वा स्थित रघुनंदन उदयराज पूर्व माध्यमिक विद्यालय में प्रबंधक गिरिजा शकर द्विवेदी द्वारा कंबल वितरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता ओंकार नाथ शुक्ला, भाजपा मीडिया प्रभारी गोविंद सिंह, राकेश पांडेय, जयबहादुर पांडेय, ध्रुवराज तिवारी, विजेंद्र विश्वकर्मा, पूर्व प्रधान जगदीश पांडेय, जीतेंद्र पांडेय मौजूद रहे। सिंहपुर क्षेत्र के कैथागाव के ग्राम प्रधान सोनू श्रीवास्तव द्वारा कंबल वितरण का आयोजन किया गया, जहा दो सौ से अधिक व पन्होना में समाजसेवी मिंटू सिंह की ओर छह सौ गरीबों को विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा कंबल वितरित किया गया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रंजीत, मृगनकेश्वर शरण सिंह, जिपंस आशीष गुप्ता, लल्लन सिंह, कौशलेंद्र सिंह, साहब प्रसाद ओझा आदि मौजूद रहे। बाजारशुकुल में ऊंचगाव के पूर्व प्रधान मजहर बाबू ने गरीबों, मजरूमों, महिलाओं व दिव्यागों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण किया। इस मौके बाबा सालिकराम मिश्र, शत्रोहन प्रसाद, मकसूद, बीडीसी सदाशकर, सिफ ाकत अली, इशरार अहमद, श्याम सुंदर समेत अन्य गणमान्य व आमजन मौजूद रहे।

पांच सौ से अधिक बच्चों ने छोड़ी परीक्षा

गौरीगंज (अमेठी)। जिले में तीन केंद्रों पर शनिवार को जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा संपन्न कराई गई। पांच सौ से अधिक बच्चे परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। राजकीय बालिका इंटर कालेज गौरीगंज, शिव प्रताप इंटर कालेज अमेठी व एएच इंटर कालेज मुसाफिरखाना में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा कराई गई। परीक्षा के लिए 2,249 छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया था। जिसमें से 1,691 छात्रों ने ही परीक्षा में प्रतिभाग किया। जबकि 558 छात्रों ने परीक्षा में हिस्सा नहीं लिया। डीआईओएस जेके शर्मा ने बताया के परीक्षा शांति पूर्ण माहौल में संपन्न हो गई है।

सलामी बल्लेबाजी संयोजन में दुविधा की स्थिति टीम के लिए अच्छी : राठौड़

मुंबई। भारतीय सलामी बल्लेबाजी में रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और शिखर धवन के लय में होने से चयन को लेकर टीम प्रबंधन के लिए मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है लेकिन बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने रविवार को कहा कि यह 'अच्छी दुविधा' है। रोहित के लिए साल 2019 शानदार रहा था जहां उन्होंने विश्व कप में पांच शतक लगाये थे। धवन ने श्रीलंका के खिलाफ खेली गयी टी20 श्रृंखला में वापसी करते हुए रन बनाकर लय में होने का संकेत दिया। राहुल भी पिछले कुछ समय से शानदार फार्म में चल रहे हैं।

राठौड़ ने कहा, ''यह दुविधा की स्थिति हमारे लिए अच्छी है। रोहित जाहिर तौर पर इसके लिए सबसे मजबूत विकल्प है। वे दोनों (शिखर और राहुल) भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। शिखर ने एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया है और राहुल शानदार लय में है। जब जरूरत होगी हम इससे निपटेंगे।''उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां खेले जाने वाले शुरूआती एकदिवसीय से पहले कहा, ''आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला शुरू होने में अभी दो दिनों का समय बचा है। प्रबंधन इस पर फैसला करेगा।'' आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला 14 जनवरी से यहां शुरू होगी। दूसरा एकदिवसीय राजकोट में 17 जनवरी और तीसरा बेंगलुरू में 19 जनवरी को खेला जाएगा।

इस साल टी20 विश्व कप खेला जाना है ऐसे में इस एकदिवसीय श्रृंखला के औचित्य के बारे में पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा, '' यह अलग प्रारूप है और क्रिकेट आत्मविश्वास का खेल है। एक बल्लेबाज और गेंदबाज के तौर पर जब आप आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो आपका प्रदर्शन मायने रखता है। उनकी टीम बेहतर है और उससे मनोबल बढ़ता है।'' बल्लेबाजी कोच ने कहा, ''हम इसे किसी अन्य श्रृंखला की तरह ले रहे हैं। दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ जब आप खेलते हैं तो टीम के तौर पर अच्छा करने की सोचते हैं। आप शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना चाहते हैं।''

रोहित और वार्नर के बीच मुकाबला देखने के लिए बेताब हैं जोन्स

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डीन जोन्स ने कहा है कि रोहित शर्मा और डेविड वार्नर दोनों रनों के भूखे हैं और वह तीन मैचों की आगामी श्रृंखला में हाल के समय के इन दो दिग्गज एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सलामी बल्लेबाजों के बीच मुकाबला देखने को बेताब हैं। विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने अपनी पिछली श्रृंखला में श्रीलंका को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2–0 से शिकस्त दी जबकि आस्ट्रेलिया ने स्वदेश में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3–0 से क्लीनस्वीप किया। जोन्स ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में कहा, ''रोहित शर्मा और डेविड वार्नर मैदान के दोनों ओर अच्छा खेलते हैं। अगर आप मैदान के एक तरफ रन बनाना मुश्किल कर देते हो तो वे मैदान के दूसरी तरफ रन बनाने का तरीका ढूंढ लेते हैं।'' इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''ये खिलाड़ी शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी फिट है और वे रन बनाने के लिए भूखे हैं। मैं देखना चाहता हूं कि इनमें से जंग कौन जीतेगा।'' श्रृंखला की शुरुआत 14 जनवरी को मुंबई में होगी। दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय राजकोट में 17 जनवरी जबकि तीसरा बेंगलुरू में 19 जनवरी को खेल जाएगा। जोन्स ने आधुनिक क्रिकेट में 140 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज के होने के फायदे के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''140 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले जब इस रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं और आप गलती करते हैं तो आपके पास समय नहीं होता– आप बोल्ड हो जाते हो या एलबीडब्ल्यू और यही कारण है कि टीमें 140 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों को रखना पसंद करती हैं।''

महिला टी20 विश्व कप के लिये बंगाल की रिचा घोष भारतीय महिला टीम में शामिल

मुंबई। भारत ने 21 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय टीम घोषित की और हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम में बंगाल की बल्लेबाज रिचा घोष एकमात्र नया चेहरा हैं। टीम में और किसी नये चेहरे को शामिल नहीं किया गया है। वहीं हरियाणा की 15 साल की शेफाली वर्मा भी अपने पहले सत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद पहली वैश्विक प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

रिचा को हाल ही में महिला चौलेंजर ट्राफी में उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने 26 गेंद में चार चौके और एक छक्के से 36 रन बनाये थे। चयनकर्ताओं ने ज20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भी 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें नुजहत परवीन को 16 वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया। यह टूर्नामेंट 31 जनवरी से शुरू हो रहा है और जिसमें तीसरी टीम इंग्लैंड है।

विश्व टी 20 टीम–

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, वेदा कृष्णमूर्ति, रिचा घोष, तानिया भाटिया, पूनम यादव, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर और अरूंधति रेड्डी।

त्रिकोणीय श्रृंखला (16 सदस्यीय) टीम–

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, वेदा कृष्णमूर्ति, रिचा घोष, तानिया भाटिया, पूनम यादव, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, नुजहत परवीन।

टीम इंडिया से टी20 सीरीज हारने के बाद मलिंगा छोड़ेंगे कप्तानी ? दिया ये बड़ा बयान

कोलंबो। श्रीलंका टी20 टीम के कप्तान लसित मलिंगा ने भारत के खिलाफ 2–0 की शिकस्त मिलने के बाद रविवार को कहा कि वह टीम की कप्तानी छोड़ने को तैयार हैं। भारत से वापस लौटने के बाद 36 साल के मलिंगा ने पत्रकारों से कहा कि श्रीलंकाई टीम में 20 ओवर के मैच में प्रभाव छोड़ने की क्षमता नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई गेंदबाज विरोधी टीम को रोकने में सफल नहीं रहे जबकि बल्लेबाज टक्कर देने के लिए 170 रन बनाने में असफल रहे।

मलिंगा ने कहा, ''हमारे पास वह क्षमता नहीं है। रैंकिंग में नौवें नंबर पर काबिज टीम से यह उम्मीद करना अनुचित है।'' उन्होंने कहा कि वह टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। लगभग एक साल पहले फिर से कप्तान बने इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, ''मैं हर समय तैयार हूं। मैं कप्तानी से हटने के लिए तैयार हूं।''

मलिंगा की कप्तानी में श्रीलंका ने 2014 में विश्व कप का खिताब जीता था। वह 2016 तक टीम के कप्तान रहे थे। वह दिसंबर 2018 में एक बार टीम के कप्तान बने। श्रीलंका की भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला का पहला मैच बारिश से धुल गया था। भारतीय टीम ने दूसरा मैच सात विकेट और तीसरा मुकाबला 78 रन से अपने नाम किया।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी20 टीम में रोहित शर्मा की वापसी, संजू सैमसन हुए बाहर

मुंबई। न्यूजीलैंड दौरे के लिए रविवार को भारत की 16 सदस्यीय टी20 टीम में उप–कप्तान रोहित शर्मा ने टीम में वापसी की, जबकि चयनकर्ताओं ने केरल के बल्लेबाज संजू सैमसन को बाहर कर दिया। पांच सदस्यीय चयनकर्ताओं का पैनल तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी टीम में वापस लाया, जिन्हें रोहित की तरह ही श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से आराम दिया गया था। विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने श्रीलंका के खिलाफ पुणे में तीसरा टी20 मैच खेला था जिसमें उन्होंने छह रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी 20 सीरीज ऑकलैंड में 24 जनवरी से शुरू होगी। चयन समिति ने वनडे और टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं की है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''भारतीय टी20 टीम में कोई चौंकाने वाला चेहरा नहीं है। संजू सैमसन की जगह रोहित शर्मा टीम में आये, बाकी सभी खिलाड़ी टीम में बने रहे।'' भारत इस दौरे में न्यूजीलैंड टीम के साथ आठ सीमित ओवरों के मैच खेलेगी जिसमें पांच टी–20 और तीन वनडे मैच शामिल हैं। टीम इंडिया इस दौरे में दो टेस्ट मैच भी खेलेगी। न्यूजीलैंड में टीम इंडिया दौरे की शुरुआत पांच टी20 मैचों की सीरीज से करेगी।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीमः

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप–कप्तान), केएल राहुल, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, रिषभ पंत (विकेटकीपर), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर।

दीपिका उनके समर्थन में खड़ी हुई, जो देश का विनाश चाहते हैं स्मृति ईरानी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जाने को लेकर बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण पर प्रहार करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि अभिनेत्री ने उन लोगों के साथ खड़ा होना पसंद किया जो 'देश का विनाश' चाहते हैं। दीपिका उन विद्यार्थियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए मंगलवार को अचानक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पहुंच गयी थीं जिन पर पांच जनवरी को वहां नकाबपोश लोगों ने हमला किया था। उन्होंने कोई भाषण तो नहीं दिया था लेकिन वह छात्र नेताओं के पीछे चुपचाप खड़ी रहीं। वह इस सप्ताह अपनी फिल्म 'छपाक के सिलसिले में दिल्ली गयी थीं।

ईरानी के अनुसार दीपिका ने 2011 में ही अपना राजनीतिक झुकाव स्पष्ट कर दिया था जब उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा की और उन्हें प्रधानमंत्री के पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बताया था। ईरानी ने बृहस्पतिवार को द न्यू इंडियन एक्सप्रेस द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''मुझे शायद उनके राजनीतिक रूझान के बारे में पता है। मैं समझती हूं कि जिस किसी ने खबरें पढ़ी हैं, उन्हें पता पता था कि आप खड़ा होने जा रही हैं...(उन्हें) मालूम था कि आप उन लोगों के साथ खड़ा होने जा रही हैं जो देश का विनाश चाहते थे, पता था कि आप उन लोगों के साथ खड़ा होने जा रही हैं जो सीआरपीएफ के जवान के मारे जाने पर जश्न मनाते हैं। मंत्री की इस टिप्पणी का संबंधित वीडियो ने द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर डाल दिया है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने कुछ लड़कियों के गुप्तांगों पर लाठी से प्रहार किया। वह उनके पक्ष में खड़ी हुईं। यह उनका अधिकार है। मैं उन्हें उस अधिकार से वंचित नहीं कर सकती। वह उन लोगों के साथ खड़ा होंगी जो ऐसी अन्य लड़कियों को पीटेंगे, जो वैचारिक रूप से उनके साथ नजर नहीं मिलाती हैं। यह उनकी आजादी है। वर्ष 2011 में जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया था तभी उन्होंने अपना राजनीतिक रूझान दुनिया को बता दिया था। कपड़ा मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने इन बॉलीवुड स्टार के काम की प्रशंसा की है, वे जेएनयू जाने के उनके फैसले से स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, ''मैं समझती हूं कि जो समस्या हुई है, वह यह है कि बहुत सारे लोग सकते में हैं। उन्हें पता नहीं था। ऐसे बहुत सारे लोग हैं जो प्रशंसक थे और उन्होंने संभवतः उनकी बहुत सारी फिल्में भी देखीं, उनके लिए यह झटका है।''

अदालत का सवाल 'छपाक' में एसिड हमले की पीड़िता की वकील को श्रेय क्यों नहीं दिया

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म छपाक के निर्माताओं से सवाल किया कि उन्होंने एसिड हमले की पीड़िता लक्ष्मी अग्रवाल की वकील को उनसे ली गयी जानकारी के लिए श्रेय क्यों नहीं दिया। फिल्म छपाक लक्ष्मी अग्रवाल के जीवन पर आधारित

है और यह शुक्रवार को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। अदालत ने फॉक्स स्टार स्टूडियो की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान फिल्म के निर्माता और निर्देशक से सवाल किया। याचिका में अदालत के गुरुवार के आदेश को चुनौती दी गयी है जिसमें अधिवक्ता अपर्णा भट्ट के योगदान को देखते हुए उन्हें श्रेय देने को कहा गया था। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया और कहा कि अदालत शनिवार सुबह फैसला सुनाएगी। अदालत ने सवाल किया कि वकील को श्रेय देने में क्या कठिनाई है और निर्माता उनसे जानकारी मांगने क्यों गए थे। इस पर फिल्म निर्देशक मेघना गुलजार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने कहा कि पक्षों के बीच कोई अनुबंध नहीं था और जानकारी मांगने से उन्हें श्रेय देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। फिल्म निर्माता फॉक्स स्टार स्टूडियोज की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव नायर ने कहा कि सुनवाई अदालत ने आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष नहीं सुना और अंतरिम तथा एक पक्षीय फैसला दिया जो असामान्य है।

जेएनयू हिंसा पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की फिल्म तानाजी– द अनसंग वॉरियर और दीपिका पादुकोण की फिल्म्म छपाक 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हुई हिंसा के बाद जेएनयू जाने को लेकर कुछ लोग दीपिका की फिल्म का बहिष्कार कर रहे हैं और तानाजी देखने की अपील कर रहे हैं। अब अजय देवगन ने सोशल मीडिया के जरिये जेएनयू मसले पर अपनी बात रखी है। उन्होंने ट्वीट किया, मैंने हमेशा यह कहा है कि हमें उचित तथ्यों के आने का इंतजार करना चाहिए। मैं सभी से अपील करता हूं कि हमें शांति और भाईचारे की भावना से आगे बढ़ना चाहिये, इसे जानबूझकर या लापरवाही से पटरी से नहीं उतरने देना चाहिये। अजय देगवन के इस ट्वीट को पसंद किया जा रहा है, हालांकि कुछ लोगों को उनकी यह बात नागवार गुजरी है। एक्टर ने एक इंटरव्यू में भी कहा था कि, दोनों ही फिल्में अच्छी है और वह खहते हैं कि लोगों को दोनों ही फिल्में देखनी चाहिये। बता दें कि, जेएनयू में कुछ छात्रों के साथ हुई हिंसा को लेकर सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से बवाल मचा है। आम लोग से लेकर खास लोग तब इसे लेकर अपनी प्रतिक्रियांए दे रहे हैं। दरअसल,

दीपिका अपनी फिल्म छपाक को प्रमोट करने दिल्ली पहुंची थीं और उन्होंने जेएनयू के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं से मुलाकात की थी, जिसके बाद उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने कोई भाषण तो नहीं दिया था लेकिन वह छात्र नेताओं के पीछे चुपचाप खड़ी रहीं थीं। बता दें कि, तानाजी देश के 3880 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। वहीं छपाक को 1700 स्क्रीन्स मिले हैं। तानाजी के मुकाबले यह छोटी फिल्म है। तानाजी की कहानी इतिहास से जुड़ी है, जबकि छपाक की कहानी मौजूदा दौर की है। छपाक एसिड सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल पर बनी है जिसका निर्देश मेघना गुलजार ने किया है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक कपिल देव शुक्ला द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं0:25 लोलेपुर सुलतानपुर उ0.प्र0. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट ,पो0 व थाना कूरेभार, जिला-सुलतानपुर (उ0प्र0) से प्रकाशित सम्पादक : **कपिल देव शुक्ला**, मो0 9415739288, 9721748962 सह संपादक : **अंकित ''राधे''**
E-mail: kdshukla.79@gmail.com, वेबसाईट : www.kdnewslive.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।